अंक योजना

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2023-24

विषय - हिंदी (आधार)

विषय कोड - 302)

कक्षा - बारहवीं

निर्धारित समय: 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80 अंक**

सामान्य निर्देश :-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- खंड- अ में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए।
- खंड -ब में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड --अ वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न क्रम संख्या	उत्तर	अंक विभाजन
प्रश्न 1.	**अपठित बोध – गद्यांश पर आधारित प्रश्न**	**10x01=10**
1.	b. नया विचार	1
2.	d. पीड़ा पूर्ण	1
3.	a. केवल कथन। सही है।	1
4.	c. मज़दूरी को कम महत्त्व का आंकना	1

5.	a. मानव श्रम से ज्यादा मशीनों को महत्त्व मिलने के कारण	1
6.	b. मशीनों द्वारा जन साधारण में बेरोज़गारी बढ़ाने के कारण	1
7.	a. आर्थिक संपदा का अनुचित वितरण	1
8.	b. मानवीय संवेदनाओं एवं गुणों को महत्त्व दिया था	1
9.	d. मानवीय दक्षताओं को महत्त्व मिलने से	1
10.	a. मशीनों पर अत्यधिक आश्रित हो जाना	1
प्रश्न 2.	**अपठित बोध – पद्यांश पर आधारित प्रश्न**	**05x01=05**
1.	b. महत्त्व	1
2.	d. जब सिमरू द्वारा ढ़ोल बजाया जाता है	1
3.	c. माटी की गोद में अच्छे-बुरे सभी पलते हैं	1
4.	b. केवल कथन (IV) सही है।	1
5.	b. 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)	1
प्रश्न 3.	**अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न**	**05x01=05**
1.	a. ब्रेकिंग न्यूज़	1
2.	b. फीचर लेखन	1
3.	d. संवाददाता	1
4.	c. विशेषीकृत रिपोर्टिंग	1
5.	d. विषय विशेषज्ञ	1
प्रश्न 4.	**काव्यांश - पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2 पर आधारित प्रश्न**	**05x01=05**
1.	b. आदर्श	1

2.	b. कविता में अग्नि परिवर्तन की इच्छा का प्रतीक है।	1
3.	a. हृदय	1
4.	b. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।	1
5.	a. सांसारिक सुख रूपी लहरें	1
प्रश्न 5.	**गद्यांश - पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2 पर आधारित प्रश्न**	**05x01=05**
1.	b. अथाह	1
2.	d. मनुष्य पर बाज़ार के जादू का असर	1
3.	b. जब मनुष्य तुलना करने लगता है तब असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या के भाव मनुष्य में उभरते हैं।	1
4.	a. 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)	1
5.	d. बाज़ार आकर्षित करना चाह रहा है	1
प्रश्न 6.	**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2 पर आधारित प्रश्न**	**10x01=10**
1.	a. पत्नी और बच्चों से हर छोटी - बड़ी बात पर मतभेद होने के कारण	1
2.	c. हड़प्पा तथा मुअनजो-दड़ो	1
3.	a. नगर नियोजन	1
4.	d. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1
5.	d. कथन (II) तथा (III) सही हैं।	1
6.	b. यशोधर बाबू	1
7.	b. रोज़गार के लिए	1

8.	a. दादा का कामचोर स्वभाव	1
9.	d. आधुनिक जीवन शैली की ओर रुझान	
10.	c. संघर्ष	1
खंड – ब वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर		
प्रश्न क्रम संख्या	**उत्तर**	**अंक विभाजन**
	जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न	
प्रश्न 7.	दिए गए **तीन** विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख :- आरंभ —1 अंक विषयवस्तु --3 अंक प्रस्तुति -- 1 अंक भाषा -- 1 अंक	**06x01=06**
प्रश्न 8.	प्रश्न - लगभग 40 शब्दों में उत्तर :-	**02x02=04**
(i)	**(क)** • कहानी का नाट्य रूपांतरण करते हुए दृश्य लिखने के बाद कथावस्तु के अनुसार ही संवाद लिखे जाने चाहिए • ये संवाद संक्षिप्त, पात्रानुकूल, प्रसंगानुकूल और सामान्य बोलचाल की भाषा में ही लिखे जाने चाहिए • इसके लिए हम मूल कहानी के संवादों को थोड़ा छोटा कर सकते हैं और आवश्यकतानुसार नए संवाद भी गढ़ सकते हैं • संवाद कथानक को गति प्रदान करते हैं • चरित्र - चित्रण को परिमार्जित किया जा सकता है • दृश्य के रूप में न ढलने वाली घटनाओं व प्रतिक्रियाओं का उल्लेख करते हैं • पात्रों के सामाजिक, आर्थिक स्तर की जानकारी देने में सहायक ***अथवा*** **(ख)**	02x01=02

	• नए तथा अप्रत्याशित विषयों के लेखन में आत्मपरक 'मैं' शैली का प्रयोग किया जा सकता है • यद्यपि निबंधों और अन्य आलेखों में 'मैं' शैली का प्रयोग लगभग वर्जित होता है किंतु नए विषय और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में 'मैं' शैली के प्रयोग से लेखक के विचारों और उसके व्यक्तित्व को झलक प्राप्त होती है	
(ii)	**(क)** • नए और अप्रत्याशित विषयों के लेखन के संदर्भ में कहा जा सकता है कि लिखने का कोई फ़ॉर्मूला आज तक दुनिया में नहीं बना है • जिस तरह के विषय दिए जा सकते हैं, वे हो सकते हैं :- आपके सामने की दीवार, उस दीवार पर टंगी घड़ी, उस दीवार में बाहर की ओर खुलता झरोखा आदि -इत्यादि • अर्थात लेखन के लिए लेखक के पास विषय, सिद्धांत आदि की कोई सीमा नहीं होती है • लेखक की कल्पना, यथार्थ, आदर्श पर कोई बंधन नहीं होता है ***अथवा*** **(ख)** रेडियो माध्यम की सीमाएँ:- • रेडियो माध्यम में सचित्र प्रसारण की सुविधा नहीं है जबकि टी.वी. में यह सुविधाजनक • टी.वी. माध्यम की तुलना में रेडियो माध्यम में प्रसारणकर्ता के लिए श्रोताओं को बाँधकर रखना कठिन कार्य	02x01=02
प्रश्न 9.	प्रश्न - दिए गए **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:-	**03x02=06**
(i)	**विद्यार्थी चाहें तो प्रिंट, टी.वी. अथवा रेडियो में से किसी एक अथवा एक से अधिक माध्यमों पर अपने तर्क प्रदान कर सकते हैं। जैसे :-** • प्रिंट माध्यम में पसंद के अनुसार किसी भी पृष्ठ को एक बार या उससे अधिक बार पढ़ा जा सकता है • शब्दों में स्थायित्व होता है • पढ़ते हुए उस लिखे हुए पर विचार भी किया जा सकता है ○ टी.वी. में समाचार अथवा फिल्में हम देख भी सकते हैं और सुन भी सकते हैं। यह माध्यम दर्शकों को बांधे रखता है ○ समाचार व पात्र दिखने में सजीव लगते हैं तथा सचित्र प्रसारण से समाचार अधिक प्रामाणिक बन जाते हैं ○ टेलीविजन माध्यम साक्षर व निरक्षर दोनों प्रकार के लोगों के लिए उपयोगी है ○ कम समय में हम अधिक समाचार देख सकते हैं	3

	○ समाचारों को रुचिकर ढंग से दिखाया जाता है ❖ रेडियो देश के कोने-कोने तक पहुँचता है ❖ रेडियो सस्ता माध्यम है ❖ साक्षर-निरक्षर सभी के लिए समान से उपयोगी	
(ii)	• उल्टा पिरामिड शैली का विशेषतः प्रयोग मुद्रित या प्रिंट माध्यम तथा रेडियो में होता है • डिजिटल मीडिया अधिक तीव्र एवं विस्तृत होने के कारण केवल उल्टा पिरामिड शैली पर आश्रित नहीं • घंटे - दो घंटे में लोग स्वयं को अपडेट रखने लगे हैं, साथ ही डिजिटल मीडिया दृश्य और श्रव्य की सुविधाओं से लैस • दृश्य और श्रव्य माध्यम जैसे टी.वी., इंटरनेट इत्यादि में समाचार, सूचना का एक बड़ा भाग दृश्य देख कर ही समझ आ जाता है • अतः उल्टा पिरामिड शैली अब समाचार लेखन के अन्य तरीकों में से एक अन्य तरीका अथवा शैली ही है	3
(iii)	• अखबारों के लिए समाचारों के अलावा खेल, अर्थ-व्यापार, सिनेमा या मनोरंजन आदि विभिन्न क्षेत्रों और विषयों से संबंधित घटनाएँ, समस्याओं आदि से संबंधित लेखन, विशेष लेखन कहलाता है • जब किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर लेखन किया जाए तो उसे विशेष लेखन कहते हैं • अतः विशेष लेखन की भाषा और शैली समाचारों की भाषा-शैली से अलग होती है • विशेष लेखन के कई क्षेत्र हैं जैसे :- • व्यापार, खेल, मनोरंजन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि इत्यादि **उदाहरण :-** • शेयर बाज़ार में भारी गिरावट :- सामान्य रिपोर्टिंग में तथ्यात्मक बातें होंगी • शेयर बाज़ार में भारी गिरावट - विशेष लेखन के अंतर्गत खबर का विश्लेषण, गिरावट का कारण तथा निवेशकों पर इसका असर इत्यादि पर लेखन होगा	3
	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2 पर आधारित प्रश्न	
प्रश्न 10.	प्रश्न - दिए गए **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:-	**03x02=06**
(i)	• जब भादों मास के दौरान होने वाली घनघोर बारिश समाप्त हो जाती है तब शरद ऋतु का आगमन होता है • खरगोश की लाल- भूरी आँखों जैसी चमकीली धूप निकल आती है • इसके कारण चारों ओर उज्ज्वल चमक बिखर जाती है, आकाश साफ और मुलायम हो जाता है, चारों ओर स्वच्छ वातावरण हो जाता है	3

	• हवाओं में मनोरम सुगंधित महक फैल जाती है • शरद ऋतु के आगमन से चारों ओर उत्साह एवं उमंग का वातावरण बताया है, पतंगबाजी का माहौल बन जाता है • शरद ऋतु का मानवीकरण करते हुए उसे साइकिल लेकर आते हुए चंचल बालक की तरह चित्रित किया है	
(ii)	• 'अंधड़' का अभिप्राय है कि जब भावों की आँधी आती है तो रचना शब्दों का रूप लेकर कागज़ पर जन्म लेने लगती है • वास्तव में भाव ही कविता रचने का पहला चरण है • 'बीज' से कवि का आशय है कि जब भाव आँधी रूप में आते हैं तो कविता रचने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है	3
(iii)	• प्रशंसा से व्यक्ति स्वयं को सही व उच्चकोटि का मानने लगता है • वह सही-गलत का निर्णय नहीं कर पाता • उसका विवेक क्षीण हो जाता है • कविता में प्रशंसा मिलने के कारण कवि अपनी सहज बात को शब्दों के जाल में उलझा देता है • फलतः उसके भाव जनता तक पहुँच नहीं पाते • सीधी और सरल बात को कहने के लिए जब कवि चमत्कारिक भाषा का प्रयोग करता है तब वह जो कहना चाहता है तब भाषा के चक्कर में भावों की सुंदरता नष्ट हो जाती है	3
प्रश्न 11.	प्रश्न - दिए गए **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर:-	**02x02=04**
(i)	• दूरदर्शन वाले जानते हैं कि समाज में कमज़ोर व अशक्त लोगों के प्रति करुणा का भाव होता है • लोग दूसरे के दुख के बारे में जानना चाहते हैं • दूरदर्शन वाले इसी भावना का फ़ायदा उठाना चाहते हैं • अपने लाभ के लिए ऐसे कार्यक्रम बनाते हैं	2
(ii)	• 'विप्लव-रव' से कवि का तात्पर्य क्रांति से है • कवि के अनुसार जब क्रांति होती है, तो गरीब लोगों में या आम जनता में जोश भर जाता है • यह वही वर्ग है, जो शोषण का शिकार होते हैं • अतः जब समाज में क्रांति होती है, तो इसी वर्ग से आरंभ होती है	2
(iii)	• प्रात: कालीन नभ की तुलना राख से लीपे गए गीले चौके से की गई है • इस समय आकाश नम तथा धुंधला होता है • इसका रंग राख से लीपे चूल्हे जैसा मटमैला होता है • जिस तरह चुल्हा-चौका सूख कर साफ़ हो जाता है उसी तरह कुछ देर बाद आकाश भी स्वच्छ एवं निर्मल हो जाता है	2

प्रश्न 12.	प्रश्न - दिए गए **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:-	**03x02=06**
(i)	• भक्तिन अपनी गलत बात को सही करने के हज़ारों तर्क सामने रख देती थी • भक्तिन लेखिका की सुविधा नहीं देखती थी, हर बात को वह अपनी सुविधा अनुसार करती थी • लेखिका व भक्तिन के बीच बाहरी तौर पर सेवक-स्वामी का संबंध था, परंतु व्यवहार में यह लागू नहीं होता था • भक्तिन नौकर कम, जीवन की धूप-छाँव अधिक थी	3
(ii)	• झुलसा देने वाली लू चलती थी • ढोर-ढंगर प्यास से मर रहे थे, पर प्यास बुझाने के लिए पानी नहीं था • जेठ मास भी अपना ताप फैलाकर जा चुका था • आषाढ़ के भी पंद्रह दिन बीत चुके थे • कूएँ सूखने लगे थे, नलों में पानी नहीं था • खेत की माटी सूख-सुख कर पत्थर हो गई थी • गली-मुहल्ला, गाँव-शहर हर जल लोग गरमी से भुन-भुन कर त्राहिमाम कर रहे थे	3
(iii)	• लेखक को महात्मा गांधी की याद आती है • शिरीष पेड़ अवधूत की तरह, बाहय परिवर्तन धूप, वर्षा, आँधी, लू- सब में शांत बना रहता है तथा पुष्पित-पल्लवित होता रहता है • ठीक इसी तरह से महात्मा गांधी भी मारकाट, अग्निदाह, लूटपाट, खून खच्चर को बवंडर के बीच स्थिर रह सके थे • इस समानता के कारण लेखक को गाँधी जी की याद आ जाती है, जिनके व्यक्तित्व ने समाज को सिखाया कि आत्मबल, शारीरिक बल से कहीं ऊपर की चीज़ है, आत्मा की शक्ति है • जैसे शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल, इतना कठोर हो सका है, वैसे ही महात्मा गाँधी भी कठोर-कोमल व्यक्तित्व वाले थे	3
प्रश्न 13.	प्रश्न - दिए गए **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर:-	**02x02=04**
(i)	• डॉ॰ आंबेडकर का मानना है कि हर व्यक्ति समान नहीं होता • जन्म, सामाजिक स्तर, प्रयत्नों के कारण भिन्नता व असमानता होती है • मनुष्य जन्म से ही सामाजिक स्तर के अनुरूप तथा अपने प्रयासों के कारण भिन्न और समान होता है • अतः पूर्ण रूप से समता एक काल्पनिक स्थिति है	2

(ii)	• पहलवान की ढोलक कहानी केवल सत्ता परिवर्तन/ व्यवस्था परिवर्तन की कहानी नहीं बल्कि परंपरागत व्यवस्था पर नई व्यवस्था, भारत पर 'इंडिया' के आरोपित हो जाने की कहानी है • इस परिवर्तन के तहत लुट्टन पहलवान जैसे लोगों को लोक कलाकारों के पद से हटाकर निरीह जीवन व्यतीत करने को मजबूर किया जा रहा है	2
(iii)	• समाज में कुछ लोग क्रय-शक्ति के बल से बाज़ार से वस्तुएँ खरीदते हैं • उन्हें अपनी ज़रूरत का पता नहीं होता • वे समाज में असंतोष बढ़ाते हैं • सामान्य लोगों के सामने अपनी क्रय-शक्ति का प्रदर्शन करते हैं • वे शानो-शौकत के लिए उत्पाद खरीदते हैं और बाज़ारूपन को बढ़ाते हैं। • ऐसे लोग बाज़ार से न सच्चा लाभ उठा पाते हैं, न उसे सच्चा लाभ दे सकते हैं • वे धन के बल पर बाज़ार में कपट को बढ़ाते हैं	2
	पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2 पर आधारित प्रश्न	
प्रश्न 14.	प्रश्न - दिए गए **तीन** प्रश्नों में से किसी **दो** प्रश्न का लगभग 60 शब्दों में उत्तर :-	**02x02=04**
(i)	• यशोधर बाबू के अनुसार पैसा कमाने का साधन मर्यादित है तो उससे होने वाली आय पर सभी को गर्व • उनका वेतन बहुत धीरे-धीरे बढ़ता था, उससे अधिक महँगाई बढ़ जाती थी • उनकी आय में हुई वृद्धि का असर उनके जीवन-स्तर को सुधार नहीं पाता • यशोधर बाबू के बच्चे किसी बड़ी विज्ञापन कंपनी में नौकरी पाकर रातोंरात मोटा वेतन कमाने लगे • यशोधर बाबू को इतनी मोटी तनख्वाह का रहस्य समझ में नहीं आता था • यशोधर बाबू समझते थे कि इतनी मोटी तनख्वाह के पीछे कोई गलत काम अवश्य किया जा रहा है • यशोधर बाबू ने अपना सारा जीवन कम वेतन में जैसे-तैसे गुज़ारा था, वे इतनी शान-शौकत को पचा नहीं पा रहे थे	2
(ii)	• लेखक पढ़ना चाहता था • पिता ने अपनी इच्छा को ध्यान में रखकर ही लेखक की पढ़ाई छुड़वा दी थी	2

	• लेखक ने अपनी माँ से दत्ता जी राव सरकार के घर चलकर उनकी मदद से अपने पिता को राजी करने की बात कही • माँ अपने बेटे की पढ़ाई के बारे में वह दत्ता जी राव से जाकर बात भी करती है और पति से इस बात को छिपाने का आग्रह भी करती है	
(iii)	• मुअनजो-दड़ो के अजायबघर में सिंधु-सभ्यता के पुरातत्व के अवशेष रखे गए हैं • यहाँ पर काला पड़ गया गेहूँ, ताँबे और काँसे के बर्तन, मुहरें, वाद्य, चाक पर बने विशाल मृद्-भांड, चौपड़ की गोटियाँ, मिट्टी की बैलगाड़ी, पत्थर के औज़ार, मिट्टी के कंगन आदि रखे गए हैं • यहाँ की चीजों को देखने से पता चलता है कि यहाँ औजार तो हैं, पर हथियार नहीं • समूची सिंधु-सभ्यता में हथियार उस तरह के नहीं मिले हैं जैसे किसी राजतंत्र में होते हैं • यहाँ पर प्रभुत्व नदारद है • इससे यह पता चलता है कि इस सभ्यता में कला का महत्व अधिक था, न कि ताकत का	2
-x-----x-----x-----x-		